५ सुंदरिया

कहानी सारांश

यह कहानी एक छोटे गाँव की लड़की सुंदरिया की है। सुंदरिया गरीब परिवार की बच्ची थी, परंतु उसका मन बहुत दयालु और मेहनती था। उसका जीवन कठिनाइयों से भरा हुआ था। वह अपने परिवार की मदद करने के लिए खेतों और घर के कामों में हमेशा हाथ बँटाती थी।

सुंदरिया अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहती थी, लेकिन घर की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर होने के कारण उसे पढ़ाई का अवसर नहीं मिल पाया। फिर भी उसमें हिम्मत और आत्मविश्वास की कमी नहीं थी। वह हमेशा दूसरों की मदद करने के लिए आगे रहती और सभी के चेहरे पर मुस्कान लाने की कोशिश करती।

यह पाठ हमें यह संदेश देता है कि असली सुंदरता रूप-रंग में नहीं, बल्कि हमारे गुणों, अच्छे विचारों और मददगार स्वभाव में होती है। कठिनाइयों में भी यदि हम हिम्मत न हारें और दूसरों की भलाई करें, तो हम सबके दिलों में जगह बना सकते हैं।

मुख्य संदेश:

- मेहनत, दया और सच्चे गुण ही असली सुंदरता हैं।
- परिस्थितियाँ चाहे कठिन हों, परंतु साहस और नेकदिल इंसान कभी हार नहीं मानते।

शब्दार्थ

- **डील-डौल** – शरीर की बनावट
- **ईर्ष्या** – जलन, द्वेष की भावना, डाह
- **तनख्वाह** – वेतन
- **चारा** – पशुओं के खाने की घास या भोजन
- **मौसी** – माँ की बहन (यहाँ प्रेम से दी गई उपमा)
- **बंदोबस्त** – प्रबंध, व्यवस्था
- **कामधेनु** – पौराणिक गाय, जो इच्छानुसार दूध और संपत्ति देती है
- **सेर** – पुराना भार माप (लगभग 1 किलोग्राम के बराबर)
- **सानी-पानी देना** – पशु को चारा और पानी देना
- **दुहना** – गाय, भैंस आदि का दूध निकालना
- **सिपुर्द** – सौंपना, हवाले करना
- **पुचकारना** – प्यार से सहलाना या दुलारना
- **रुसवाई** – बदनामी, अपमान, बेइज्जती
- **ओछा कराना** – अपमानित करना
- **मसनूई** – बनावटी, झूठा
- **करतूत** – बुरा काम, शरारत
- **लुढ़क जाना** – थककर या उदासी में लेट जाना
- **विह्वल** – भावुक, अत्यधिक प्रभावित, व्याकुल
- **अपराधिनी** – अपराध करने वाली (स्त्रीलिंग)
- **चाकरी** – नौकरी, सेवा

www.onepointlearning.com

- **ड्योढ़ी** – दहलीज़
- **परवरिश** – पालन-पोषण,
- **विदाई** – विदा करना, रुख़सत
- **अनिच्छा** – इच्छा न होना, न चाहना
- **घोसी** – एक जाति का नाम।

मुहावरे

- **लाज से गड़ जाना –** शर्म से झेंप जाना।
- **दूध देने में कामधेनु –** बहुत अधिक दूध देने वाली गाय।
- **जी भर जाना –** संतुष्ट हो जाना / मन भर जाना।
- **एकटक देखना –** बिना पलक झपकाए लगातार देखना।
- **आँख लगना –** नींद आना।
- **धोखे में रखना –** पूरी सच्चाई न बताना

प्रश्न - अभ्यास

बातचीत के लिए

1. **जवाहरसिंह अपनी गाय को मौसी कहकर बुलाता है। आप अपने घर या आस-पास के पशु-पक्षियों को क्या कहकर पुकारते हैं?**

   उत्तर: हम अपने घर या आस-पास के पशु-पक्षियों को प्यार से अलग-अलग नामों से पुकारते हैं। जैसे– कुत्ते को "टॉमी", बिल्ली को "पुच्ची", बकरी को "गुड़िया" और तोते को "मिट्ठू"।

2. **सुंदरिया के दूर चले जाने के बाद जवाहरसिंह को कैसा लगा होगा? जब आपका कोई प्रिय आपसे दूर हो जाए तो आपको कैसा लगता है?**

   उत्तर: सुंदरिया के दूर चले जाने पर जवाहरसिंह बहुत दुखी हुआ होगा। उसे अकेलापन महसूस हुआ होगा। जब हमारा कोई प्रिय हमसे दूर चला जाता है तो हमें भी दुख और उदासी महसूस होती है।

3. **जवाहरसिंह सुंदरिया की देखभाल के लिए क्या-क्या करता होगा?**

   उत्तर: जवाहरसिंह समय पर उसे चारा-पानी देता होगा, प्यार से सहलाता होगा और उसकी साफ-सफाई का ध्यान रखता होगा।

4. **आप अपने आस-पास के पशु-पक्षियों के लिए क्या-क्या करते हैं?**

   उत्तर: मैं अपने आस-पास के पशु-पक्षियों को खाना-पानी देता हूँ, पंछियों के लिए दाना-पानी रखता हूँ और कभी बीमार दिखने पर उनकी मदद करता हूँ।

www.onepointlearning.com

पाठ से

नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर पर (☺) का चिह्न बनाइए। प्रश्नों के एक से अधिक उत्तर भी सही हो सकते हैं —

1. **लोग सुंदरिया को देखकर ईर्ष्या क्यों करते थे?**

   (क) सुंदरिया को खाने-पीने को बहुत कुछ मिलता था। ☐

   (ख) सुंदरिया बहुत आकर्षक थी। ☺

   (ग) सुंदरिया बहुत दूध देती थी। ☺

   (घ) सुंदरिया सभी से प्रेम करती थी। ☐

2. **हीरासिंह के मन में सुंदरिया को बेचने की बात क्यों आई?**

   (क) सुंदरिया सभी को परेशान करने लगी थी। ☐

   (ख) सुंदरिया के लिए चारे का प्रबंध करना कठिन हो गया था। ☺

   (ग) सुंदरिया हीरासिंह के घर नहीं रहना चाहती थी। ☐

   (घ) सुंदरिया पड़ोसियों को परेशान करती थी। ☐

3. **हीरासिंह ने स्वयं को गाय की नौकरी पर लगाने की बात क्यों कही?**

   (क) सुंदरिया को ठीक से चारा नहीं मिलता था। ☐

   (ख) वह गाय से बिछोह सहन नहीं कर पा रहा था। ☺

   (ग) उसे रुपयों की आवश्यकता थी। ☐

   (घ) गाय घोसी के व्यवहार से प्रसन्न नहीं थी। ☐

4. **गाय घोसी के साथ क्यों नहीं जाना चाहती थी?**

   (क) गाय हीरासिंह और उसके परिवार से अलग नहीं होना चाहती थी। ☺

   (ख) गाय को भय था कि घोसी उसे स्नेह से नहीं पालेगा। ☺

   (ग) गाय को अपने गाँव के सभी लोगों की याद आ रही थी। ☐

   (घ) गाय बीमार थी और चल नहीं पा रही थी। ☐

www.onepointlearning.com

सोचिए और लिखिए

1. **हीरासिंह गाय को बेचने से क्यों डर रहा था?**

   उत्तर: हीरासिंह डर रहा था कि गाय बेचने के बाद उसका परिवार और स्वयं वह बहुत दुखी हो जाएगा और गाय को नया मालिक प्यार से नहीं रखेगा।

2. **सेठ हीरासिंह की गाय को देखकर क्यों प्रसन्न हुआ?**

   उत्तर: क्योंकि सुंदरिया बहुत सुंदर, स्वस्थ और दूध देने वाली गाय थी।

3. **"तुमने मुझे धोखे में क्यों रखा?" सेठ ने हीरासिंह से ऐसा क्यों कहा?**

उत्तर: क्योंकि हीरासिंह ने गाय की खूबियों के बारे में पहले ठीक से नहीं बताया था और गाय उसकी अपेक्षा से कहीं अधिक अच्छी निकली।

4. **सेठ के कुछ कहने से पहले ही हीरासिंह गाय को लेकर क्यों चल दिया?**

उत्तर: क्योंकि वह अपनी गाय को बेचकर पछता रहा था और उससे बिछड़ना सहन नहीं कर पा रहा था।

सुंदरिया और हीरासिंह

1. **कहानी में सुंदरिया की बहुत-सी विशेषताओं का पता चलता है। उन विशेषताओं को नीचे लिखिए। आपकी सुविधा के लिए एक उदाहरण दिया जा रहा है—**

उत्तर: कहानी में सुंदरीया की बहुत-सी विशेषताओं का पता चलता है, जो इस प्रकार हैं:

- **सुंदर और स्वस्थ:** वह डील-डौल में काफी बड़ी थी और उसे देखकर लोगों को ईर्ष्या होती थी।
- **अत्यधिक दूध देने वाली:** वह 15 सेर से भी ज्यादा दूध देती थी, इसलिए हीरासिंह ने उसे "दूध देने में कामधेनु" कहा था।
- **भावुक और समझदार:** वह हीरासिंह के जाने पर उदास हो जाती है और दूसरे दिन दूध नहीं देती, जिससे पता चलता है कि वह हीरासिंह की भावनाओं को समझती थी।
- **प्यार करने वाली:** वह हीरासिंह और उसके परिवार से बहुत प्यार करती थी, खासकर जवाहरसिंह से, जो उसे मौसी कहता था।
- **वफादार:** वह सेठ के पास नहीं रहना चाहती थी और रात में खुद ही वापस हीरासिंह की कोठरी के पास आ जाती है।
- **विनम्र:** जब वह हीरासिंह के पास वापस आती है तो वह अपनी गलती के लिए क्षमा माँगती हुई लगती है।

2. **अब आप हीरासिंह की विशेषताओं को अपनी लेखन – पुस्तिका में लिखिए।**

उत्तर: हीरासिंह की विशेषताएँ बिंदुवार इस प्रकार हैं –

- हीरासिंह बहुत **दयालु** था, वह पशुओं और लोगों से स्नेहपूर्वक व्यवहार करता था।
- वह **ईमानदार** था और कभी किसी के साथ धोखा नहीं करता था।
- वह सच्चा **पशु-प्रेमी** था, अपनी गाय सुंदरिया की देखभाल परिवार की तरह करता था।

- हीरासिंह बहुत **भावुक** था, गाय से बिछड़ने की बात सोचकर ही दुखी हो जाता था।
- वह **मेहनती** था और अपनी जीविका कमाने के लिए कठिन परिश्रम करता था।

समझ और अनुभव

1. **क्या आपको लगता है कि पशु-पक्षी भी हमारी भावनाएँ समझते हैं? कोई अनुभव साझा कीजिए।**

   उत्तर: हाँ, मुझे लगता है कि पशु-पक्षी हमारी भावनाएँ समझते हैं।

   उदाहरण :- एक दिन मैंने एक काले कुत्ते को अपने दरवाज़े पर धूप में बैठा देखा। जब मैं उसके पास गया तो वह डरकर भागने लगा, लेकिन मैंने उसे धीरे-धीरे सहलाया और रोटी दी। अब वह मुझसे डरता नहीं और मेरी ओर पूँछ हिलाकर प्यार से देखता है। मैंने उसे कालू कहा और अब वह मुझे दूर से भी पहचान लेता है और पास आकर प्यार दिखाता है।

2. **जवाहरसिंह सुंदरिया को मौसी कहकर क्यों संबोधित करता होगा?**

   उत्तर: जवाहरसिंह सुंदरिया को मौसी कहकर इसलिये संबोधित करता होगा क्योंकि वह उसे परिवार का सदस्य मानता था। वह गाय को अपने परिवार की तरह प्यार करता था और इसे अपनापन देने के लिए यह नाम रखा।

3. **हम देखते हैं कि नगरों में बड़े पशुओं (गाय, भैंस, ऊँट आदि) को पालतू बनाने वाले लोगों की संख्या बहुत कम है। आपको इसके क्या कारण लगते हैं?**

   उत्तर:

   - नगरों में रहने के लिए पर्याप्त जगह नहीं होती।
   - चारे और पानी का प्रबंध कठिन होता है।
   - समय की कमी के कारण लोग इन पशुओं की देखभाल नहीं कर पाते।
   - शोर, धूल और यातायात के कारण बड़े पशु शहर में सहज महसूस नहीं करते।

4. **पशु-पक्षी मनुष्य की तरह बोल तो नहीं पाते परंतु वे भी आपस में अपनी बातें करते होंगे। क्या आप इस बात से सहमत हैं? अपने उत्तर के लिए उदाहरण भी दीजिए।**

   उत्तर: हाँ, मैं इस बात से सहमत हूँ। पशु और पक्षी अपनी आवाज़, हाव-भाव और इशारों के माध्यम से आपस में बातें करते हैं। उदाहरण के लिए, कुत्ते भौंककर एक-दूसरे को खतरे की सूचना देते हैं, पक्षी चहचहाकर अपनी उपस्थिति और भोजन की जानकारी साझा करते हैं, और गाय रंभाकर अपने बच्चों को बुलाती है।

अनुमान और कल्पना

1. **गाय का नाम 'सुंदरिया' किसने एवं क्यों रखा होगा?**

   उत्तर: गाय का नाम 'सुंदरीया' हीरासिंह ने ही रखा होगा। गाय बहुत सुंदर, स्वस्थ और अच्छी थी। उसकी खूबसूरती के कारण ही उसका नाम 'सुंदरीया' रखा गया होगा।

www.onepointlearning.com

2. **हीरासिंह के घर से सुंदरिया की विदाई का दृश्य।**

   उत्तर: सुंदरीया की विदाई का दृश्य बहुत ही भावुक होगा। हीरासिंह और उसके परिवार के सभी सदस्य रो रहे होंगे। खासकर जवाहरसिंह सुंदरीया से लिपटकर उसे जाने नहीं दे रहा होगा। सुंदरीया भी उदास होकर अपनी पूँछ हिला रही होगी और पीछे मुड़-मुड़कर अपने परिवार को देख रही होगी।

3. **सुंदरिया को वापस घर ले जाते हुए हीरासिंह को कैसा लग रहा होगा?**

   उत्तर: सुंदरीया को वापस लेकर जाते हुए हीरासिंह को बहुत खुशी हो रही होगी। उसे लग रहा होगा कि वह अपनी बेटी को वापस ले जा रहा है। वह मन ही मन सुंदरीया से कह रहा होगा कि तुम मेरे घर की लक्ष्मी हो। मैं तुम्हें कभी नहीं बेचूँगा।

भाषा की बात

1. **नीचे दिए गए मुहावरों का प्रयोग कहानी में किया गया है। कहानी में इन्हें ढूँढ़िए और इनके अर्थ लिखकर अपनी लेखन-पुस्तिका में वाक्य बनाइए—**

   - **लाज से गड़ जाना: बहुत शर्मिंदा होना।**

   → **वाक्य:** अध्यापक के सामने झूठ बोलते हुए वह लाज से गड़ गया।
   - **दूध देने में कामधेनु: बहुत अधिक दूध देने वाली।**

   → **वाक्य:** हमारी गाय तो दूध देने में कामधेनु है, सुबह-शाम दस लीटर दूध देती है।
   - **जी भर जाना: मन बहुत दुखी होना।**

   → **वाक्य:** अपने दोस्त की मुसीबत देखकर मेरा जी भर आया।
   - **एकटक देखना: बिना पलक झपकाए लगातार देखना।**

   → **वाक्य:** जादूगर का खेल देखकर सभी दर्शक उसे एकटक देख रहे थे।
   - **आँख लगना: सो जाना।**

   → **वाक्य:** कल देर रात तक काम करने के कारण मेरी आँख लग गई।

2. **नीचे कुछ वाक्य दिए गए हैं। वाक्यों में रेखांकित शब्द से मिलते-जुलते अर्थ वाले शब्द चुनकर वाक्य पुनः लिखिए—**

   (क) सुंदरीया की सुंदरता से कई लोगों को जलन होती थी। (ईर्ष्या)

   → **वाक्य:** सुंदरीया की सुंदरता से कई लोगों को ईर्ष्या होती थी।

   (ख) वहाँ की गाएं अच्छी होती हैं। एक गाय का बंदोबस्त कर दो। (प्रबंध)

   → **वाक्य:** वहाँ की गाएं अच्छी होती हैं। एक गाय का प्रबंध कर दो।

   (ग) सुंदरीया मेरी रुसवाई क्यों कराती है? (अपमान)

   → **वाक्य:** सुंदरीया मेरी अपमान क्यों कराती है?

(घ) सुंदरीया को देखकर हीरासिंह विह्वल हो उठा। (भावुक)

→ **वाक्य:** सुंदरीया को देखकर हीरासिंह भावुक हो उठा।

(ङ) आप मुझसे जितने महीने चाहें, कसकर चाकरी करवाएँ। (नौकरी)

→ **वाक्य:** आप मुझसे जितने महीने चाहें, कसकर नौकरी करवाएँ।

3. कहानी में से चुनकर कुछ वाक्य नीचे दिए गए हैं। इन्हें ध्यानपूर्वक पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ आया? अपने विचार समूह में साझा कीजिए—

(क) रुपए तो ले लिए लेकिन हीरासिंह का जी भरा जा रहा था।

→ **अर्थ:** हीरासिंह को गाय बेचने के बदले पैसे तो मिल गए थे, लेकिन वह बहुत दुखी था क्योंकि उसे अपनी प्यारी गाय से अलग होना पड़ रहा था। वह यह सौदा करके खुश नहीं था।

(ख) गाय की नौकरी पर मुझे लगा दीजिएगा चाहे तनख्वाह कम कर दीजिए।

→ **अर्थ:** हीरासिंह ने सेठ से कहा कि वह सेठ की नौकरी छोड़कर गाय की देखभाल करना चाहता है। उसे पैसों की परवाह नहीं है, वह बस अपनी गाय के पास रहना चाहता था।

(ग) गाय ने उसकी ओर देखा। जैसे पूछना चाहती थी— "क्या सचमुच ही इसके साथ चली जाऊँ?"

→ **अर्थ:** हीरासिंह के कहने पर जब धोसी गाय को ले जाने लगा, तो गाय ने हीरासिंह की तरफ़ देखा। ऐसा लगा जैसे वह पूछ रही हो कि क्या उसे सचमुच हीरासिंह को छोड़कर जाना पड़ेगा। यह दर्शाता है कि गाय भी हीरासिंह से बहुत प्यार करती थी।

(घ) फिर गाय के गले पर सिर रखकर बोला— "सुंदरीया, देख... मेरी ओछी मत करा। मैं दूर हूँ तो क्या! इसमें मुझे सुख है?"

→ अर्थ: कहानी में इस वाक्य का अर्थ है कि हीरासिंह सुंदरीया को समझा रहा है कि वह उसे बेचना नहीं चाहता, बल्कि उसकी मजबूरी है कि वह उससे दूर जा रहा है। वह अपनी गाय से कह रहा है कि वह उसे धोखा न दे और अपना दूध वैसे ही दे, जैसे वह घर पर दिया करती थी। हीरासिंह को इस बात से कोई खुशी नहीं है कि वह गाय से दूर हो रहा है, बल्कि उसे इसमें दुख है।

4. रेखांकित शब्द किसके लिए प्रयोग किए गए हैं? पहचानकर लिखिए—

(क) <u>उसे</u> एक सेठ के यहाँ चौकीदार की नौकरी मिल गई।	– हीरासिंह के लिए
(ख) <u>उसे</u> देखकर लोगों को ईर्ष्या होती थी।	– सुंदरीया गाय के लिए
(ग) <u>वह</u> कैसे बताए कि सुंदरीया <u>उसके</u> परिवार का अंग है।	– हीरासिंह के लिए
(घ) सचमुच वैसी सुंदर, स्वस्थ गाय <u>उन्होंने</u> अब तक न देखी थी।	– सेठ जी के लिए
(ङ) गाय <u>उसके</u> साथ जाना ही नहीं चाहती थी।	– धोसी के लिए

पाठ से आगे

1. **नीचे दिए गए चित्रों को देखकर और अपने समूह में चर्चा करके यह सुझाव दीजिए कि हम पशु-पक्षियों के लिए क्या-क्या कर सकते हैं। आप इनके अतिरिक्त भी कुछ और बिंदु जोड़ सकते हैं।**

उत्तर:

- पशु-पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करना:
  - पक्षियों के लिए: अपने घर की छत या बालकनी में एक बर्ड फीडर (Bird feeder) और पानी का बर्तन रखें।
  - जानवरों के लिए: बेजुबान जानवरों जैसे कुत्तों, गायों, और अन्य जानवरों के लिए भी खाना और पानी रखें।
- ठंड से बचाव के लिए:
  - आवारा जानवरों के लिए: सर्दियों में आवारा कुत्तों को ठंड से बचाने के लिए उन्हें कपड़े पहना सकते हैं या उनके लिए रहने की जगह बना सकते हैं।
- जानवरों को चोट लगने पर उनकी मदद करना:
  - पशु-पक्षी: घायल पशु-पक्षियों की मदद करें और उन्हें पशु चिकित्सालय ले जाएं।
- जानवरों के प्रति क्रूरता न दिखाएँ:
  - सुरक्षा: जानवरों को कभी भी चोट न पहुँचाएँ और न ही उन्हें परेशान करें।
- पर्यावरण का ध्यान रखें:
  - प्रदूषण: पर्यावरण को स्वच्छ रखें ताकि पशु-पक्षियों को साफ-सुथरा माहौल मिले।
- अतिरिक्त बिंदु:
  - पशु-पक्षियों को सुरक्षित स्थान पर रखें, खासकर जब वे कमजोर या बीमार हों।
  - पालतू पशुओं के लिए समय-समय पर डॉक्टर से जांच करवाएं।
  - बच्चों को बचपन से ही पशुओं के प्रति दयालुता सिखाएं।

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

2. **आपके घर में दूध कहाँ से आता है? यह भी पता कीजिए कि किन-किन पशुओं का दूध पीने के लिए उपयोग किया जाता है।**

   उत्तर: हमारे घर में दूध अक्सर डेरी या दूधवाले से आता है।

   दूध के लिए जिन पशुओं का उपयोग किया जाता है, वे हैं:

   i. गाय ii. भैंस iii. बकरी iv. ऊँट v. भेड़

   vi. गधी vii. याक (खासकर पहाड़ी इलाकों में)

3. **किसी गौशाला अथवा दुग्ध उत्पादन केंद्र (डेयरी फार्म) का भ्रमण कर पता कीजिए कि पशुओं का लालन-पालन कैसे किया जाता है। आप इस गतिविधि में शिक्षकों एवं अभिभावकों की सहायता ले सकते हैं।**

   उत्तर: यह एक बहुत अच्छा प्रोजेक्ट है। आप अपने स्कूल के शिक्षकों और माता-पिता की मदद से किसी पास की गौशाला या डेयरी फार्म में जाकर यह पता लगा सकते हैं।

   वहां आप यह जान सकते हैं:

   - पशुओं का भोजन: उन्हें क्या-क्या खिलाया जाता है, जैसे- भूसा, चारा, दाना और पानी।
   - सफाई: पशुओं और उनके रहने की जगह की साफ-सफाई कैसे की जाती है।
   - स्वास्थ्य: उनकी बीमारियों का इलाज कैसे किया जाता है।
   - दूध निकालने का तरीका: दूध हाथ से निकाला जाता है या मशीनों से।
   - देखभाल: बच्चों (बछड़ों) की देखभाल कैसे की जाती है।

कल्पना की उड़ान

सेठ के घर से लौटकर जाते हुए हीरासिंह सुंदरीया को बहुत प्यार करता है, उसको सहलाता है एवं उससे बातें करता है। यदि सुंदरीया भी बोल सकती तो कल्पना कीजिए कि सुंदरीया और हीरासिंह के बीच क्या बातचीत होती।

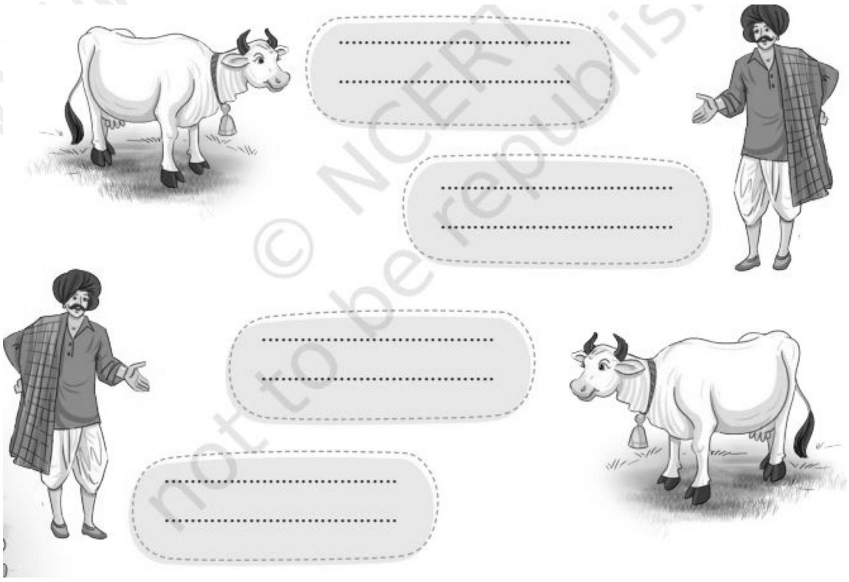

उत्तर:

सुंदरीया : आप मुझे वापस क्यों ले जा रहे हैं? क्या आप मुझसे खुश नहीं थे?

हीरासिंह : सुंदरीया, मेरी प्यारी! मैं तुमसे बहुत खुश हूँ। तुम तो मेरे परिवार का हिस्सा हो। मैं तुम्हें कभी नहीं बेचता, लेकिन मेरी मजबूरी थी।

सुंदरीया : मैं जानती थी कि आप मुझे छोड़कर नहीं जा सकते। मेरा मन आपके बिना नहीं लगता।

हीरासिंह : मैं भी तुम्हारे बिना नहीं रह सकता। अब मैं तुम्हें कभी किसी के पास नहीं भेजूँगा। हम हमेशा साथ रहेंगे।

नाटक-मंचन

आपने 'सुंदरीया' कहानी पढ़ी। इस कहानी को नाटक के रूप में बदलकर कक्षा में अपने समूह के साथ नाटक-मंचन कीजिए।

उत्तर: विद्यार्थी कहानी का नाटक में रूपांतरण करें तथा इसका नाट्य मंचन स्वयं करें।

बूझो पहेली

1. राग सुरीला रंग से काली,
सबके मन को भाती।
बैठ पेड़ की डाली पर जो,
मीठे गीत सुनाती।

उत्तर: कोयल

2. जल-थल दोनों में है रहता,
धीमी जिसकी चाला।
खतरा पाकर सिमट जाए झट,
बन जाता खुद ढाला।

उत्तर: कछुआ

3. लकड़ी का एक ऐसा घर,
जो है जल में चलता।
सबको अपने साथ बिठाकर,
पार सभी को करता।

उत्तर: नाव

पुस्तकालय एवं अन्य स्रोत

पाठ में दूध की मात्रा को 'सेर' द्वारा दर्शाया गया है, जो मापन की एक प्राचीन भारतीय इकाई थी। इसी प्रकार, वस्तुओं की मात्रा के मापन की और भी कई प्राचीन भारतीय इकाइयाँ प्रचलित थीं। आप पुस्तकालय से मापन से संबधित पुस्तकें ढूँढ़कर मापन की अन्य प्राचीन भारतीय इकाइयों का पता लगाइए। इसके लिए आप अपने शिक्षक और अभिभावक की भी सहायता ले सकते हैं। कक्षा में सहपाठियों के साथ इसे साझा कीजिए।

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

उत्तर: यहां कुछ ऐसी प्राचीन भारतीय इकाइयाँ दी गई हैं-

- **लंबाई के लिए:**
  - **योजन**: यह दूरी की एक बड़ी इकाई थी, जिसका उल्लेख प्राचीन ग्रंथों में मिलता है।
  - **कोस**: यह भी दूरी मापने की एक इकाई थी, जो लगभग 2 से 4 किलोमीटर के बीच होती थी।
  - **अंगुल**: यह लंबाई की छोटी इकाई थी, जो उंगली की चौड़ाई के बराबर मानी जाती थी।
  - **हाथ**: यह हाथ की कोहनी से लेकर मध्यमा उंगली के सिरे तक की लंबाई के बराबर होती थी।
- **वजन के लिए:**
  - **माशा**: यह बहुत ही छोटी इकाई थी, जिसका उपयोग सोने और मसालों जैसी कीमती चीजों को तौलने के लिए किया जाता था।
  - **तोला**: यह एक मानक इकाई थी, जो लगभग 10 से 12 ग्राम के बराबर होती थी।
- **द्रव्यमान (Mass) के लिए:**
  - **घड़ी**: यह समय की एक इकाई थी, जो लगभग 24 मिनट के बराबर होती थी।
  - **प्रहर**: यह दिन के एक बड़े हिस्से (लगभग 3 घंटे) को मापने के लिए इस्तेमाल होती थी।

भूल-भुलैया

जवाहरसिंह ने सुंदरीया के बारे में जानने के लिए अपने पिता हीरासिंह को पत्र लिखा है। महिला डाकिया उस पत्र को हीरासिंह तक पहुँचाना चाहती है। आपको इस पहेली को हल करते हुए उसे बाहर निकालना है ताकि वह हीरासिंह तक पहुँच सके।

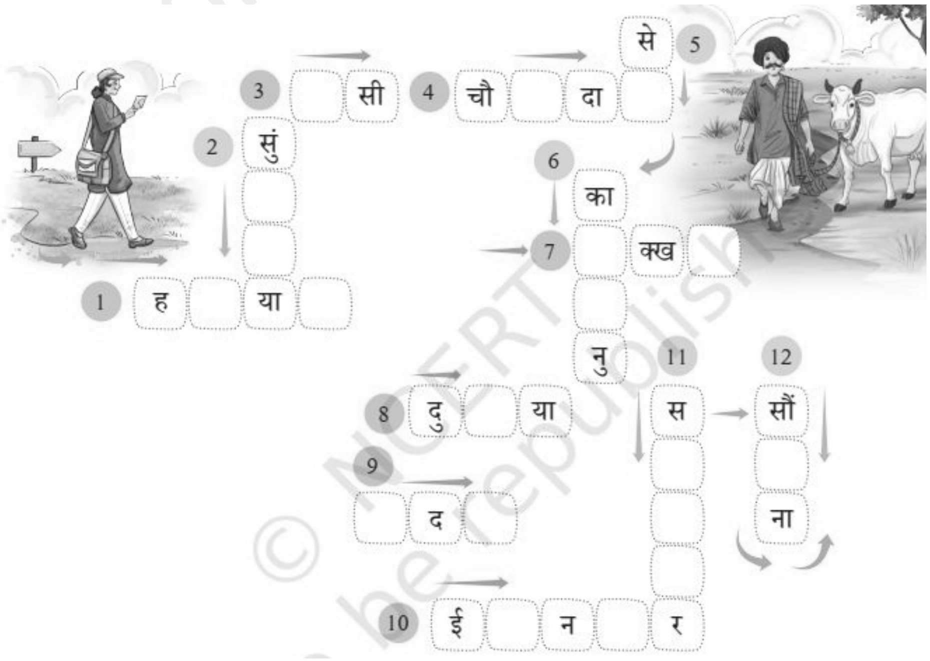

बाई से दाईं का सूचक

- 1. हीरासिंह कहाँ रहता था?
- 3. जवाहरसिंह सुंदरीया को क्या कहा करता था?
- 4. सेठ के यहाँ हीरासिंह को कौन-सी नौकरी मिली?
- 7. दूध से क्या बनता है?
- 8. सुंदरीया ने स्वयं को क्या कहा?
- 9. सुंदरीया सेठ को दिखने में कैसी लगी?
- 10. हीरासिंह कैसा व्यक्ति था?

ऊपर से नीचे का सूचक

- 2. गाय का नाम क्या था?
- 5. मापन की एक प्राचीन इकाई
- 6. सुंदरीया को क्या कहा गया है?
- 11. 'दार' प्रत्यय से एक शब्द बनाइए
- 12. 'सिपुर्द' का अर्थ क्या है?

उत्तर:

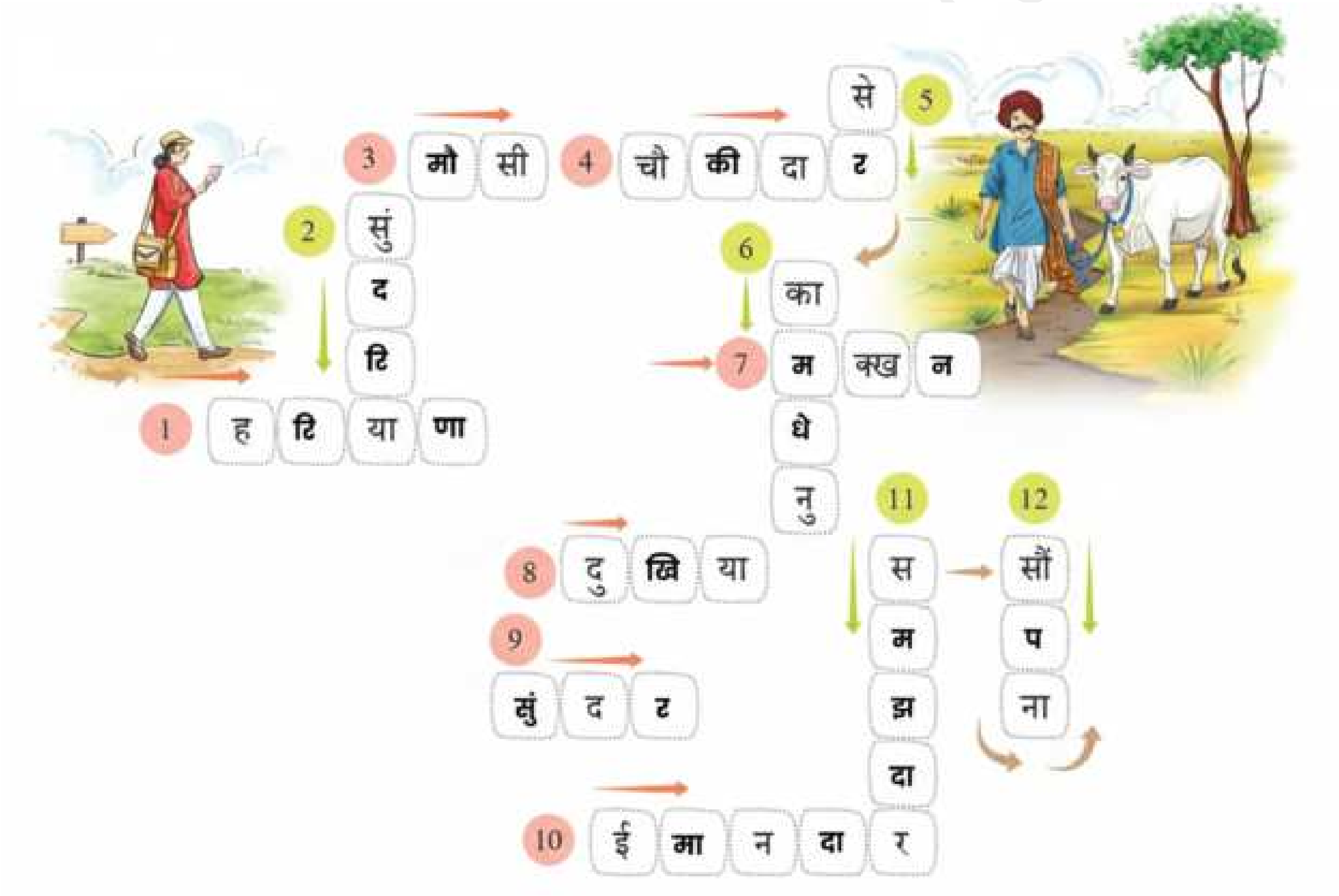

हाथी और चींटी

1. आपने कक्षा 3 की पाठ्यपुस्तक 'वीणा' में चींटी और हाथी की छुपन-छुपाई का आनंद लिया होगा। आइए, अब उनके साथ कुश्ती देखने चलते हैं।

एक बार की बात है, चींटी रानी अपनी फटफटिया मोटर साइकिल पर बैठकर कुश्ती देखने जा रही थी। रास्ते में मिले, हाथी भाई! हाथी भाई ने हाथ दिखाय तो चींटी रुक गई और बोली, "क्या हाल है, हाथी भाई? क्यों रोका?" हाथी बोला, "मैं सोच रहा था कि मेरे जैसे पहलवान को छोड़कर तुम्हें अकेले कुश्ती देखने में आनंद नहीं आएगा।" चींटी ने कहा, "ठीक है पहलवान भाई, पीठ बैठ जाइए।" हाथी के बैठते ही चींटी ने सरपट फटफटिया दौड़ा दी। न जाने कहाँ से कोई रोड़ा रास्ते में आ गया। फटफटिया पलट गई। हाथी के सिर पर बहुत चोट लगी पर चींटी को मामूली-सी खरोंच भर आई। सोचिए, चींटी को चोट क्यों नहीं आई?

उत्तर: चींटी ने हेलमेट पहन रखा था।

2. चींटी बनें हाथी नहीं। ट्रैफ़िक नियमों का पालन करें। आप क्या-क्या कर सकते हैं—

चलने के लिए सड़क के किनारे बनी पटरियों का उपयोग करें। यदि आपको सड़क पार करनी हो तो सावधानी बरतें। लाल बत्ती होने की प्रतीक्षा करें। जब लाल बत्ती जलती है, तब वाहनों को रुकना होता है। आप सड़क के दोनों ओर देखें तथा ज़ेब्रा क्रॉसिंग के चिह्न पर चलकर सड़क पार करें। यदि आप अपने अभिभावकों के साथ हों तो उनका हाथ अवश्य पकड़ें। सड़क पार करते समय न तो बातचीत करें और न ही दौड़ें, वरना ध्यान भटक सकता है।

अब आप नीचे दिए गए सड़क संकेतों (रोड साइन) को पहचानिए और समझिए।

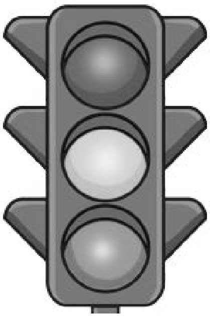
यातायात संकेतक

पैदल क्रॉसिंग

रुकिए

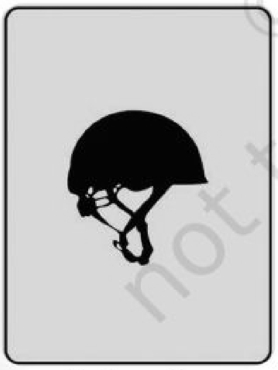
हेलमेट पहनिए

सुरक्षा पेटी अनिवार्य है

फुटपाथ पर चलें

© NCERT not to be republished

उत्तर: हम ट्रैफिक नियमों का पालन करके सड़क पर सुरक्षित रह सकते हैं। इसके लिए हम यह कर सकते हैं:

- सड़क के किनारे बने फुटपाथ पर चलें।
- सड़क पार करते समय सावधान रहें और लाल बत्ती का इंतजार करें।
- जब लाल बत्ती जल रही हो, तब सड़क पार न करें।
- सड़क पार करते समय दोनों तरफ देखें और हमेशा जेब्रा क्रॉसिंग का उपयोग करें।
- अगर अभिभावक के साथ हैं तो उनका हाथ पकड़ें।
- सड़क पार करते समय न बात करें और न दौड़ें, ताकि ध्यान न भटके।

सड़क संकेतों (रोड साइन) का महत्व और पालन:

i. पैदल क्रॉसिंग

- **अर्थ:** पैदल यात्री यहाँ सड़क पार कर सकते हैं।
- **क्या करें:** जेब्रा क्रॉसिंग पर धीरे-धीरे और सावधानी से चलें।

ii. रुकिए (Stop)

- **अर्थ:** वाहन चालकों को रुकना जरूरी है।
- **क्या करें:** पैदल हैं तो रुककर वाहनों को गुजरने दें।

iii. हेलमेट पहनिए

- **अर्थ:** बाइक या स्कूटर पर हेलमेट पहनना सुरक्षित है।
- **क्या करें:** हमेशा हेलमेट पहनें।

iv. सुरक्षा पेटी अनिवार्य (Seat Belt)

- **अर्थ:** कार में बैठते समय सीट बेल्ट बांधना जरूरी है।
- **क्या करें:** सीट बेल्ट हमेशा बांधें।

v. सार्वजनिक पैदल पथ (फुटपाथ)

- **अर्थ:** यह पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित रास्ता है।
- **क्या करें:** हमेशा फुटपाथ पर चलें, सड़क पर नहीं।

vi. फुटपाथ पर चलें

- **अर्थ:** पैदल चलने वालों को फुटपाथ का उपयोग करने की सलाह।
- **क्या करें:** सड़क के बीच में न चलें, फुटपाथ पर चलें।

ये संकेत हमें सड़क पर सुरक्षित रहने में मदद करते हैं। इन्हें हमेशा ध्यान से देखें और पालन करें।

www.onepointlearning.com